UKPSC FRO (Mains)

Previous Year Paper
(General Hindi)
27 Dec 2022

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

No. of Printed Pages : 4

RFU-03

2022

सामान्य हिन्दी

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[पूर्णांक : 100*

नोट : (i) ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके अन्त में इंगित हैं ।*

(iii) *एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यतः एक साथ दिया जाए ।*

(iv) *पत्र लेखन में अपना नाम, पता अथवा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।*

1. हमारी उन्नति या अवनति, हमारी समृद्धि या दुर्दशा, हमारे देश की दशाओं पर ही निर्भर है । जो लोग उन्नत देशों में जन्म लेते हैं, वे अधिक शिक्षा पाते हैं, अधिक सुखी जीवन व्यतीत करते हैं । इसके विपरीत पिछड़े हुए देशों के निवासी उन्नति की दौड़ में पीछे रह जाते हैं और जीवन का अधिकांश भाग कष्ट में बिताते हैं । वस्तुतः यदि हमारा देश उन्नत और स्वाधीन न हो, तो हमारी दशा दासों जैसी हो सकती है, पर यदि हमारा देश उन्नत और समृद्ध हो, तो हम संसार में गौरव के साथ सिर ऊँचा करके खड़े हो सकते हैं ।

इसलिए देश के प्रत्येक निवासी का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह अपने देश की उन्नति, प्रगति और समृद्धि के लिए जो कुछ भी कर सकता है, उसे अवश्य करना चाहिए । इस समय हमारे देश की जो भी स्थिति है, वह हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए कार्यों का परिणाम है । यदि हमारा देश कभी पराधीन हो गया था, तो उसका कारण यह था कि उससे पहले की पीढ़ी ने देश के प्रति अपना कर्तव्य पूरी तरह नहीं निभाया । बाद में जब देश स्वाधीन हुआ, तो उसका अर्थ यह था कि उसके पहले वाली पीढ़ी ने देश को स्वाधीन कराने के लिए अथक परिश्रम किया, बलिदान दिया और कठिन संघर्ष किया । आज हमारे ही नहीं, अपितु किसी भी देश की जो वर्तमान स्थिति है, वह अब से पहले की पीढ़ियों के कार्यों का परिमाण है और अब हम जो कुछ भी कार्य करेंगे, उसका परिणाम आगे आने वाली पीढ़ियों के सम्मुख आएगा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश में रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए । 10

(ख) उपर्युक्त गद्यांश पर आधारित 'देश-प्रेम और हमारा कर्तव्य' से संबंधित **पाँच** वाक्य लिखिए । 5

Adda247 GET IT ON Google Play

2. नारी विधाता के सृष्टि-कुंज की अनुपम रचना है । अपनी अनेक विलक्षण विशेषताओं के कारण वह सौंदर्य की देवी भी है, शक्ति का पुंज भी, उसमें फूल-सी कोमलता भी है, दृढ़ निश्चय में वज्र-सी कठोरता भी, वह लज्जा की प्रतिमूर्ति भी है, ज्वाल-जाल की राशि भी, यदि निर्माण में उसका महान् योगदान है, तो रणचंडी के रूप में विध्वंस में भी । वह अपनी इन्हीं विलक्षण विशेषताओं के कारण कठिन से कठिन कार्य करने में सक्षम है, समर्थ है । समाज के निर्माण में जहाँ पुरुषों की मुख्य भूमिका स्वीकार की जाती है, वहीं नारी भी कभी किसी तरह पीछे नहीं रही । उसने सदैव पुरुष के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर अपनी सकारात्मक भूमिका से राष्ट्रनिर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है । वर्तमान आधुनिक समाज में उसकी भूमिका पुरुषों से तनिक भी न्यून नहीं है ।

आज के वर्तमान संदर्भों में नारी ने अपनी क्षमता और योग्यता से अपनी प्रासंगिकता को प्रमाणित किया है । पुरुष-प्रधान कहे जाने वाले समाज में भी उसने यह सिद्ध किया है कि यदि उसे उपयुक्त अवसर मिले, तो वह समुद्र की अतल गहराइयों से आकाश की अनंत ऊँचाइयों तक अपनी पहुँच बना सकती है । आधुनिक समाज की नारी ने यह भी प्रमाणित किया है कि वह अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति और पूर्ण आत्मविश्वास से समाज को नई दिशा देने की योग्यता रखती है ।

(क) उपर्युक्त अवतरण का उचित शीर्षक लिखिए । **5**

(ख) उपर्युक्त गद्यांश में व्यक्त विचारों का **एक-तिहाई शब्दों** में संक्षेपण कीजिए । **10**

3. (क) उत्तराखण्ड सरकार के सभी कार्यालयों में सरकारी कामकाज को सरल हिंदी में किए जाने से संबंधित एक 'कार्यालय-ज्ञापन' जारी कीजिए । **10**

(ख) 'सरकारी पत्र' एवं 'अर्द्धसरकारी पत्र' में अंतर स्पष्ट करते हुए 'अर्द्धसरकारी पत्र' का एक प्रारूप तैयार कीजिए । **10**

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन शब्दों** के **उपसर्ग** तथा किन्हीं **दो शब्दों** के **प्रत्यय** अलग कीजिए : **5**

(i) अन्वीक्षण

(ii) अभिज्ञ

(iii) अध्यादेश

(iv) दुरूह

(v) पुष्पित

(vi) रामायण

(vii) कार्तिकेय

Adda247 GET IT ON Google Play

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच शब्दों** के विलोम लिखिए : 5

(i) हेय
(ii) साधर्म्य
(iii) समास
(iv) मसृण
(v) बंध्या
(vi) निश्चल
(vii) कृष्ण

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं **पाँच** के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : 5

(i) जो बाएँ हाथ से भी लक्ष्य-संधान करता हो
(ii) जो व्याकरण का ज्ञान रखने वाला है
(iii) मार्ग में ग्रहण करने के लिए भोजन
(iv) वह संन्यासी जो सदा भ्रमण करता रहता हो
(v) सर्पों का स्वामी
(vi) जो पहने जाने के योग्य हो
(vii) बुरे उद्देश्य से की गयी गुप्त मंत्रणा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** वाक्यों में गलत वर्तनी वाले शब्द तथा **दो** अशुद्ध वाक्य शुद्ध कीजिए : 5

(i) वह हमेशा अतिश्योक्तिपूर्ण बातें करता है ।
(ii) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या था ।
(iii) यह कविता अनेक भावों को प्रकट करती है ।
(iv) युद्ध में सहस्त्रों लोग हताहत हुए ।
(v) गुप्त रहस्य का पता कभी नहीं चलता ।
(vi) मैंने आज बाज़ार जाना है ।
(vii) महादेवी वर्मा छायावाद की कवियित्री हैं ।

5. (क) निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** के अर्थ लिखते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(i) आ बैल मुझे मार
(ii) चंदन विष व्यापै नहीं लिपटे रहत भुजंग
(iii) विष दे पर विश्वास न दे
(iv) थोथा चना बाजे घना
(v) ढाक के तीन पात
(vi) चोर-चोर मौसेरे भाई
(vii) अँधेर नगरी चौपट राजा

Adda247 GET IT ON Google Play

(ख) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **10**

(i) होम करते हाथ जलना

(ii) लकीर का फ़कीर होना

(iii) दो नावों पर पैर रखना

(iv) चोली-दामन का साथ होना

(v) गाँठ पड़ना

(vi) आड़े हाथों लेना

(vii) अक्ल के घोड़े दौड़ाना

6. 'हिंदी भाषा में कम्प्यूटर-प्रयोग की उपयोगिता एवं उसकी कठिनाइयाँ' विषय पर एक समीक्षात्मक निबंध लिखिए। **10**

Adda247